व्यवसाय योजना मुर्गी पालन

आय सृजन गतिविधि

(समान रुची समूह शिव नरेश दुर्गा नगर)

शिव नरेश सामान रुची समूह सारी

ग्रामीण वन विकास समिति सारी – ।

वन परिक्षेत्र कुल्लू

कुल्लू वन मण्डल कुल्लू

प्रायोजकः

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना पौटर हिल शिमला

प्रस्तुति

वन परिक्षेत्र कुल्लू

कुल्लू वन मण्डल कुल्लू

अनुक्रमणिका

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	4-6
2	समान रुची समूह का विवरण	6
3	ग्राम की भौगोलिक स्थिति	7
4.	आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का विवरण	7
5	उत्पादन की प्रक्रिया	7-8
6	उत्पादन हेतु नियोजन	8
7	विपणन	9
8	समूह सदस्यों के मध्य उघम का प्रबंधन	9
9	शक्ति, दुर्बलता, अवसर, जोखिम का विश्लेषण (SWOT Analysis)	10
10	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	10
11	व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का वर्णन	11-12
12	अर्थव्यवस्था का सारांश	12
13	अनुमान	12-13
14	लाभ लागत विश्लेषण (एक चक्र के लिए)	13-14
15	धन की आवश्यकता	14
	(क) समूह की वित्तीय आवश्मकता	
	(ख) समूह की वित्तीय संसाधन	
16	सम विच्छेदन बिंदु (ब्रेक इविन प्वाइंट) की गणना	14-15
17	ऋण वापसी का किश्तवार नियोजन	15

1. कार्यकारिणी सारांश

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय में स्थित है। यह राज्य कुदरती सुन्दरता और समद्वि सांस्कृतिक व धार्मिक धरोहर से भरपूर है। राज्य में विविध पारितन्त्र, नदियों, घाटियों पाई जाती है। इसकी आबादी 70 लाख के करीब है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि0 मी0 है। हिमाचल प्रदेश में शिवालिक पहाड़ियो से लेकर मध्य हिमालय का क्षेत्र, के ऊँचाईं व और ठण्डें ज़ोन का क्षेत्र पाया जाता है। राज्य के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। हिमाचल प्रदेश के 12 ज़िलों में से 6 जिले में हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) के सहयोग से चलाई जा रही है। जिसमे कुल्लू ज़िला भी शामिल है।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (जाईका) प्रारंभ होने पर वन विकास समिति सारी-I की सूक्षम योजना बनाई गयी है | इस वन विकास समिति के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है किन्तु सिंचाई की उचित व्यवस्ता ना होने के कारण लोगों को उनके आय में अपेक्षित बढोतरी नहीं हो पा रही है | यहाँ के लोग मुख्यता गेहूं, मक्की, जौ व दालों की खेती करने के साथ सेब, प्लम, खुमानी इत्यादि बागवानी फसले उगाते है परन्तु वन विकास समिति के अधिकतर लोगों के पास बहुत हि कम ज़मीन है | यहाँ के किसानों की प्रति व्यक्ति आय काफी कम है जिसके कारण अधिकतर किसानों का जीवन स्तर अच्छा नहीं है तथा वे कुपोषण के शिकार भी है | अत: यहं के किसानों को अपनी आजीविका को चलाने के लिए नये अवसर तलाशने के साथ – साथ अपने आहार सम्बन्धी आदतो को बदलने की भी आवश्यकता है | ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर मुर्गी पालन आजीविका वर्धन का एक वेहतर विकल्प है जिसके माध्यम से गरीब किसान न केवल आपनी आय में पर्याप्त बढोतरी कर सकते है बल्कि साथ ही साथ अंडों एवं मुर्गों के रूप में पोषक आहार भी प्राप्त कलर सकते है | आजीविका सुधार योजना गतिविधि के लिए 2 स्थानीय स्वयं सहायता समूह बनाये गए हैं | इन में से (शिव नरेश) स्वयं सहायता समूह का 03-10-2020 को गठन किया गया है | इस समूह में कुल 8 पुरुष व 4 महिलाएं सदस्य हैं | स्वयं सहायता समूह को समान रुची समूह में शिव नरेश के रूप में परिवर्तित किया गया है | इस समान रुची समूह ने विस्तार से चर्चा करने पर क्रायलर किस्म की मुर्गी व मुर्गे पालन करके अंडे तथा मुर्गे व मुर्गी मॉस के लिए बेच कर आजीविका बढाने का निर्णय किया है | क्रायलर किस्म का मुर्गी लगभग 18 सप्ताह में 2 किलोग्राम का वजन प्राप्त कर लेता है | क्रायलर की किस्म की मुर्गी वर्षभर में 180 से 200 अंडे देती है जबकि अन्य किस्म की मुर्गीयों 35 से 40 अंडे वर्षभर में दती है | अंडे व मुर्गे मास के लिए बचने कुल्लू बाज़ार सड़क से 5 किलोमीटर पड़ता है | पैदल रस्ते से चलने पर लगभग 2 किलोमीटर समीप है |

इसके अतिरिक्त 1,00,000/- परिक्रामी निधि (रेवोल्विंग फण्ड) दिया जाएगा ताकि बैंक में ऋण लेने में सुविधा हो सके | इसके अतिरिक्त जो ऋण लिया जाएगा उसमें से 5% दर का ब्याज परियोजना द्वारा बैंक के खाते में डाला जाएगा तथा शेष दर का ब्याज समूह अदा करेगा | समूह ने तय किया है कि सभी सदस्य नियम व शर्तों के हिसाब से कार्यों का आपसी बंटवारा करके समूह को चलाएंगे और समान रूप से कार्य के अनुसार लाभांश का बंटवारा करेंगे |

शिव नरेश समान रुची समूह की व्यवसाय योजना बनाने के लिए श्री संदीप राणा, श्री शशि शर्मा ने बार बार समूह के सदस्यों से बैठके करके व परियोजना निदेशक श्रीमती मीरा शर्मा (भा. ब. स) तथा श्री पदम् सिंह चौहान (HPFS) Retd के मार्ग दर्शन से इस व्यवसाय योजना को तैयार किया गया है | समूह में सम्मिलित सदस्यों का ब्यौरा निम्न प्रकार से है :

क्रं0	लाभार्थी का नाम व पता	पद	गांव	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	श्री गिरिधर पुत्र श्री हेत राम	सदस्य	दुर्गा नगर	23	परुष	10+2	अनुसूचित जाती	7807724069
2	श्री चेत राम पुत्र श्री श्याम नाथ	सदस्य	दुर्गा नगर	27	परुष	9th	अनुसूचित जाती	9805477396
3	श्रीमती चूड़ामणि पत्नी श्री खुब राम	सदस्य	दुर्गा नगर	41	स्त्री	5th	सामान्य	9736105845
4	श्रीमती चंद्रकला पत्नी श्री प्रेम नाथ	सदस्य	दुर्गा नगर	49	स्त्री	-	अनुसूचित जाती	9816851240
5	श्रीमती किरणा देवी पत्नी श्री महेंदर	सदस्य	दुर्गा नगर	26	स्त्री	6th	अनुसूचित जाती	9805400492
6	श्री आलम चंद पुत्र श्री धर्म दास	सदस्य	दुर्गा नगर	40	परुष	4th	अनुसूचित जाती	9816333491
7	श्री मधु सूदन पुत्र श्री प्रेम चंद	सदस्य	दुर्गा नगर	24	स्त्री	10+2	अनुसूचित जाती	7018195748
8	श्री आलम चंद पुत्र श्री तलवे राम	प्रधान	रानीपुर	69	परुष	5th	अनुसूचित जाती	6230417171
9	श्री मेहर चंद पुत्र श्री खेक राम	सचिव	रानीपुर	47	परुष	10+2	अनुसूचित जाती	9816627851
10	श्री हीम चंद पुत्र श्री ओच्छु राम	सदस्य	रानीपुर	60	परुष	2 th	अनुसूचित जाती	8894480412
11	श्री चमन लाल पुत्र श्री सागरु राम	कोषाध्यक्ष	रानीपुर	54	परुष	-	अनुसूचित जाती	9805477396
12	श्री राज कुमार पुत्र श्री रूप चंद	सदस्य	रानीपुर	55	परुष	5th	अनुसूचित जाती	9816729640

2 समान रुची समूह का विवरण

2.1	समान रुची समूह का नाम	शिव नरेश
2.2	समान रुची समूह का एम. आई. एस. कोड	–
2.3	ग्रामीण वन विकास समिति	सारी–I
2.4	वन परिक्षेत्र	कुल्लू
2.5	वन मण्डल	कुल्लू
2.6	गांव	रानीपुर व दुर्गा नगर
2.7	विकास खण्ड	कुल्लू
2.8	जिला	कुल्लू
2.9	समूह के कुल सदस्यों की संख्या	12
2.10	समूह के गठन की तिथि	03-10-2020
2.11	समान रूचि समूह की मासिक बचत	600/-
2.12	बैंक का नाम और शाखा जंहा समूह का खाता संचालित	पंजाब नेशनल बैंक सुल्तानपुर कुल्लू
2.13	बैंक खाता संख्या	4448000100049057
2.14	समूह की कुल बचत	5400/-
2.15	समूह द्वारा सदस्यों को दिया गया ऋण	अभी तक नही
2.16	कैश क्रैडिट सीमा समूह सदस्यों द्वारा वापस किया गया ऋण की स्थिति	-

3. गांव की भौगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	5 कि0मी0
3.2	मुख्य सड़क से दूरी	3 कि0मी0
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 5 कि0मी0
3.4	मुख्य बाजार से दूरी और नाम	कुल्लू 5 कि0मी0
3.5	अन्य प्रमुख शहरों और कसबों से दूरी	कुल्लू 5 कि0मी0 मनाली 50 कि0मी0 भुन्तर 15 कि0मी0
3.6	बाजार/बाजारों से दूरी जहां पर उत्पादन की बिक्री की जायेगी	कुल्लू 5 कि0मी0 मनाली 50 कि0मी0 भुन्तर 15 कि0मी0
3.7	ग्राम के सम्बन्ध में अन्य कोई विशिष्ठता जो समूह द्वारा चयनित आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित हो	--

4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	क्रायलर अंडे
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्वति	समूह के कुछ सदस्य मुर्गी पालन का कार्य पहले से बहुत छोटे स्तर पर कर रहे हैं। अंडे व मुर्गे बेचने की मार्किट समीप के बाज़ार कुल्लू में पड़ती है। अंडे व मुर्गे को स्थानीय बाजार कुल्लू के दुकानदारों के माध्यम से विपणन का कार्य किया जा रहा है। सदस्य के अनुभव के अनुसार बाजार में उत्पाद की भारी मांग है। समूह में उत्पादन व विपणन करने पर अतिक्ति आय की आपार सभावना है।
4.3	समान रूचि समूह के सदस्यों की सहमति	हां (सहमति पत्र पृष्ठ 24 पर सलंग्न है।)

5. उत्पादन की प्रक्रिया का विवरण

प्रारम्भ में समूह को मुर्गी पालन का परियोजना के माध्यम से पशु पालन विभाग कुल्लू के द्वारा प्रदान किया जाएगा | प्रशिक्षण के उपरान्त प्रत्येक मुर्गी के बाड़े और ट्रे इत्यादि पूंजीगत व्यय का परियोजना द्वारा 50 % अनुदान दिया जाएगा | समूह के निर्णय लिया है कि शुरू में वे 60 क्रायलर चूजे को पाले जायेंगे | इस सम्बन्ध में डॉक्टर रवि ठाकुर सहायक निर्देशक पशु पालन विभाग कुल्लू की राय ली गयी है | डॉक्टर रवि ठाकुर के अनुसार यह क्रायलर किस्म चूजे सहायक निर्देशक पोल्ट्री **Development sungernagar** या **KEGG Farm Delhi** से प्राप्त किये जा सकते है | ख़रीदे गए चूजों में से बड़े होने पर पता चलता है कि लगभग 50% मुर्गियों होती है और 50% मुर्गे होते हैं | क्यूंकि क्रायलर मुर्गे व मुर्गियों खुले व प्राकृतिक वातावरण में पाली जायेंगे | अत: 18 सप्ताह के बाद क्रायलर मुर्गे 2 किलो तक का बजन प्राप्त कर लेते हैं तथा मुर्गियों 6 महीने के बाद चुजे बड़े हो कर अंडे देने की स्थिति में आ जाती हैं | मुर्गे के मॉस व अण्डों के लिए स्थानीय बाज़ार में भारी मांग होती है | अत: उत्पाद का विपणन की कोई समस्य नहीं आएगी | समूह के सभी सदस्य प्रत्येक सदस्या द्वारा पले गाये मुर्गे व मुर्गियों तथा अंडों का विपणन सामोहिक तोर पर कार्य का बटवारा कर के स्थानीय बाज़ार में करेंगे इसके बाद क्रायलर मुर्गियों के अंडे से देसी मुर्गियों द्वारा मुर्गे व मुर्गियों की सख्यां कम होने पर हेचिंग करके बढाई जायेगी | समूह में यह निर्णय किया है कि 6 महीने के बाद प्रत्येक सदस्य दुआरा 5 देसी मुर्गियों खरीद कर हेचिंग करवाई जाएगी |

6. उत्पादन हेतु नियोजन

प्रथम चक्र :

6.1 कार्य दिवस	:	365 दिवस
6.2 काम करने वाले व्यक्ति	:	12 व्यक्ति (2 घंटे प्रति दिन में से एक घंटा सुबह एक घंटा शाम को)
6.3 मुर्गी के चुजे व कच्चे माल का स्रोत:		चुजे के लिए सुंदरनगर पोल्ट्री फार्म और अन्य समान के लिए कुल्लू, भुंतर
6.4 अन्य संसाधनों का स्रोत	:	कुल्लू, भुंतर
6.5 माल की आवश्यकता	:	720 चुजे
6.6 अनुमानित उत्पादन	:	चिकन मॉस के लिए 30□12= 360 नंबर मुर्गे तैयार होंगे ! 360 X 25 = 9000 अंडे प्रति माह
कुल अंडे का उत्पादन चक्र में		9000 x 6 = 54000

7. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	सम्भावित बाजारों/स्थलों के नाम	**कुल्लू, भुन्तर, मनाली**
7.2	उत्पाद की बिक्री हेतू गांव से दूरी	कुल्लू 16 कि0मी0 मनाली 50 कि0मी0 भुन्तर 26 कि0मी0
7.3	बाजार में उत्पाद की अनुमानित मांग	उत्पादन से 10 गुना से अधिक
7.4	बाजार को चिन्हित करने की प्रक्रिया	मुर्गे के मॉस के लिए स्थानीय बाज़ार में होटलों/ रेस्टोरेंट, स्थानीय निवासियों की भारी मांग होती है लगभग 90% चिकन अन्य जिले व प्रदेश से मंगवाया जाता है। अतः स्थानीय बाज़ार में भारी खपत की सम्भावना है।
7.5	मौसम में परिवर्तन के अनुसार उत्पाद की मांग की स्थिति	सर्दी में उत्पादों की मांग बढ जाती है। गर्मियों में पर्यटको के आने के कारण होटलों व रेस्टोरेंट में खपत के कारण मांग सामान्य बनी रहती है।
7.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	होटल, रेस्टोरेंट व ढाबा के मालिक स्थानीय निवासी
7.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	कुल्लू जिला के निवासी
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	समान रुची समूह को कुल्लू के बाज़ारों से जोड़ा जाएगा अधिक उत्पादन होने पर मनाली और भुंतर के चिकन व अंडे दुकानदारों के साथ विपणन के लिए जोड़ा जाएगा।
7.9	उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति	स्थानीय बाज़ार में मांग कम होने पर मनाली व भुन्तर के चिकन दुकानों से जोड़ा जाएगा।

8. समूह सदस्यों के मध्य उद्यम का प्रबन्धन:

समूह के प्रत्येक सदस्य अपनी अपनी बैकयार्ड पोल्ट्री में मुर्गी पालन का स्वयं 2 घंटे प्रतिदिन करेगा (1 घंटा सुबह और 1 घंटा शाम) परन्तु कच्चा माल जैसे फीड, दवाईयां की खरीदारी तथा मुर्गे व अंडे का विपणन सामोहिक रूप आपस में कार्य का बटवारा करेंगे। उत्पाद का लाभ प्रत्येक सदस्य द्वारा उत्पाद किये गए उत्पादन व बिक्री के अनुसार उसी को किया जाएगा।

9. शक्ति, दुर्बलता, अवसर, जोखिम का विश्लेषण **(SWOT Analysis)**

शक्ति :-

1. सभी समूह सदस्य सामान व् अनुकूल सोच रखते है ।
2. समूह के कुछ सदस्य छोटे पैमाने पर मुर्गी पालन व विपणन का कार्य पहले से कर रही है। जिस से समूह के सभी सदस्यों को मुर्गी पालन व विपणन में असानी होगी।
3. उत्पादन लागत कम है तथा उत्पादन मांग अधिक है।

दुर्बलता : -

1. नया समान रुची समूह है।
2. समूह में कार्य करने का अनुभव नहीं है।

अवसर : -

1. समूह में कार्य करने पर बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है।
2. स्थानीय बाज़ारों में चिकन व अंडे की मांग अधिक है।
3. परियोजना द्वारा प्रारम्भ में चूजे, बैकयार्ड पोल्ट्री के बाड़े (शेड) के लिए इत्यादि 50% किमत को वहन किया जाएगा।
4. परियोजना के माध्यम से पशु पालन विभाग मुर्गी पालन का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

जोखिम: -

1. समूह में अन्तरिक् झगडे होने पर समूह का कार्य प्रभावित हो सकता है।
2. मांग व पारदर्शता के अभाव में समूह टूटने की सम्भावना हो सकती है।

10 सम्भावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय

क्र0सं0	जोखिमों का विवरण	::	जोखिम कम करने के लिए उपाय
10.1	शुरू में चूजों की मोसम के बदलाब के कारण मरने की सम्भावना रहती है इसके इलावा वर्ल्ड फ्लू या अन्य बीमारी के कारण पक्षियों में मरने का जोखिम रहता है।	::	पशु पालन विभाग से निरंतर सम्पर्क में रहेंगे अगर किसी प्रकार की बीमारी मुर्गियों व मुर्गो में होने पर पशु चकित्सों द्वारा समय पर उपचार किया जा सके।
10.2	सही देखवाल न करने पर उत्पादन कम हो सकता है।	::	उत्पादन बनाये रखने के लिए सही समय पर सही मात्र में सही फीड व दवाई मिनरल दी जाएगी व खुले में सही समय पर कम से कम 2 बार दिन में (1 घंटा सुबह और 1 घंटा शाम) को चराया जाएगा।

11 व्यवसाय योजना की आर्थव्यवस्था का वर्णन

<table>
<tr><td>क्र0 सं0</td><td>परियोजना की लागत</td><td>मुल्य (रू0 में)</td></tr>
<tr><td>अ</td><td>पूंजी लागत</td><td></td></tr>
<tr><td>(1)</td><td>शेड/ बाड़े की निर्माण की लागत (1 □□.□□ / पक्षी) 60□12 = 720 □□.□□ @ रुपए 220 / □□.□□</td><td>158400</td></tr>
<tr><td>(2)</td><td>12 फीडर और 12 वाटेरेर कुल 24 @ 160</td><td>3840</td></tr>
<tr><td>(3)</td><td>चूजे की कीमत 720 चूजे @ 32 रुपए की दर से</td><td>23040</td></tr>
<tr><td></td><td>कुल जोड़ A.1 =</td><td>185280</td></tr>
<tr><td></td><td>कुल पूंजी लागत =</td><td>185280</td></tr>
<tr><td>व</td><td>आवर्ती लागत</td><td></td></tr>
<tr><td>व .1</td><td>
<table>
<tr><th>क्रमाक</th><th>माह</th><th>वस्तु का नाम</th><th>इकाई</th><th>मात्रा</th><th>दर</th><th>धन राशी</th><th>उपेक्षित उत्पादन की मात्रा</th></tr>
<tr><td></td><td colspan="3"><u>फीड</u></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>
</td><td></td></tr>
</table>

		चुजे की फीड 1 से 4 सप्ताह तक	Qtl	4.28	3000	12840		
		ग्रोवेर फीड 4 से 20 सप्ताह	Qtl	12.09	2600	31434		
		कुल				**44274**		
		लेयर फीड 20 से 52 सप्ताह तक	Qtl	19.35	2700	52245		
		कुल				**96519**		
		मजदूरी 2 घंटे प्रतिदिन 12 व्यक्ति 365 दिन	दिन	1251	300	375300		
		अंडे की पैकिंग / ट्रे	नंबर	2400	5	12000		
		अन्य खर्चे (दवाईयों @ Rs 5 प्रति पक्षी)	नंबर	720	5	3600		
		योग				**487419**		
	नोट: प्रारम्भ में 20 सप्ताह तक फीड के लिए 44274 रुपए धन की आवश्यकता होगी उसके उपरान्त प्रत्येक सदस्य 24 सप्ताह तक मुर्गे बेचने पर जो धन अर्जित करेंगे उससे फीड लेते रहेंगे उसके बाद अंडे बेचने पर जो धन अर्जित करेंगे उससे फीड लेते रहेंगे।							**487419**
(i)	गाडी किराया (फीड, चूजे की कैरिज)							**10000**
	आवर्ती लागत =							
	कुल आवर्ती लागत **B (i+ii)** =							**497419**
	कुल **व्यवसाय योजना** लागत **(A+B)** =							**682699**
स	आय							
स.1	प्रत्यक्ष आय							
स.1.1	माँस के मुर्गे बेचने पर आय (माँस के लिए 360 @ 700 प्रति पक्षी)							252000
स 1.2	अंडे बेचने से आय (54000 @ 10 रुपए)							540000
	कुल प्रत्यक्ष आय							792000

12. अर्थव्यवस्था का सारांश

उत्पादन की लागत

क0स0	विवरण	धनराशि (रू0)
1	कुल आवर्ती व्यय	497419
2	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	18528
3	ऋण पर 7 % वार्षिक दर पर औसत व्याज	4109
	योग	**520056**

13. अनुमान

विक्रय मूल्य की गणना/आंकलन (प्रतिचक्र)

क0स0	विवरण	इकाई	धनराशि (रू0)
1	उत्पादन की लागत	नंबर	497419
2	निर्धारित लाभ (प्रतिशत में)	59.22%	294581
3	कुल (1+2)	नंबर	792000
4	बाजार भाव (1) अंडे का बाज़ार भाव @ 10 रुपए प्रति अंडा (2) चिकन मुर्गा का भाव @ 700 से 800 प्रति	नंबर	 540000 252000
5	आगणित/आंकलित विक्रय मूल्य (1) अंडे का विक्रय मूल्य (2) चिकन मुर्गा का भाव @ 700 से 800 प्रति	नंबर	 540000 252000

14. लाभ लागत विश्लेषण (एक चक्र के लिए)

क0स0	मद	धनराशि (रू)
1	पूंजीगत व्यय पर 10 % वार्षिक मुल्य ह्रास (अ)	18528
2	**आवर्ती लागत (ब)-**	
2.1	गाडी किराया	10000
2.2	मजदूरी	375300
2.3	चूजे, मुर्गे और मुर्गी की फीड	96519
2.4	अंडे की पैकिंग / ट्रे	12000
2.5	अन्य खर्चे (दवाईयों @ □□ 5 प्रति पक्षी)	3600
	योग (ब)	**497419**
3	**कुल उत्पादन**	
3.1	मुर्गे @ 700 रुपए प्रति पक्षी	360
3.2	अंडे @ 10 रुपए	54000
4	**उत्पादन की विक्री**	
4.1	माँस के मुर्गे बेचने पर आय (माँस के लिए 360 @ 700 प्रति पक्षी)	252000
4.2	अंडे बेचने से आय (54000 @ 10 रुपए)	540000
5	**उत्पाद की विक्री से आय (स)**	792000
	योग (स)	**792000**
6	कुल लाभ स-(अ+ब)= 792000-(18528+497419)	**276053**
7	उत्पाद विक्री से सकल लाभ = कुल लाभ + मजदूरी = 276053+375300	**651353**
8	एक चक्र के उपरान्त लाभ के रूप में सदस्यों के मध्य वितरण हेतु उपलब्ध धनराशी = उत्पाद की विक्री से आय – (मूलधन व ब्याज वापसी + दुसरे चक्र हेतु 20 सप्ताह तक फीड तथा 36000 देसी मुर्गी कीमत का आवर्ती व्यय) = 792000-(91000+4109+44274+36000)	**616617**
9	शुध लाभ = 616617 – 375300	241317

- समान रुची समूह के प्रत्येक सदस्य अगले चक्र के लिए अपने तौर पर 3 देसी मुर्गियों 1000 प्रति मुर्गी हेचिंग के लिए खरीदेंगे ताकि प्रत्येक मुर्गी ओसत 10 चूजे तैयार करेगी इस प्रकार प्रत्येक सदस्य के पास 30 चूजे हर चक्र में बढा कर पक्षियों सख्यां 60 होगी इस प्रकार समूह के पास दुसरे चक्र के लिए पक्षियों की सख्यां अनुमानित की गयी है अत: खर्चे में देसी मुर्गी की किमत, फीड, अंडे की पैकिंग, फीड व अन्य खर्चे जोड़े गए |

15 धन की आवश्यकता

(क) समूह की वित्तीय आवश्यकता

क्रं. सं.	मद	धनराशी (रु)	धन की आवश्यकता
1	पूंजीगत व्यय	185280	185280
2	20 बे सप्ताह तक फीड का आवर्ती व्यय	44274	44274
	योग	**229554**	**229554**

नोट: 20 सप्ताह तक समान रुची समूह को कोई भी आय नहीं होगी परन्तु 20 सप्ताह के बाद 21 सप्ताह तक माँस के लिए 360 मुर्गे बेचने से 252000 कुल आय होगी उसके बाद 24 सप्ताह के बाद अंडे की विक्री से आय पुरे चक्र के लिए होगी अत: आवर्ती व्यय में फीड का खर्चा 20 सप्ताह तक लिया गया है। क्यूंकि 20 बे के बाद समूह को मुर्गे बेचने पर आवर्ती व्यय करता रहेगा।

(ख) समूह के वित्तीय संसाधन

क्रं. सं.	संसाधन का विवरण	धनराशी (रु)
1	परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय का 75% अनुदान	138960
2	बैंक द्वारा वित्तीय पोषण	91000
3	समूह की आंतरिक बचत	5400
	योग	**235360**

16. सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना:

ब्रेक इवन पॉइंट = 185280 / 792000 – 497419

अत: ब्रेक इवन पॉइंट = 185280 /294581

= 0.6290 X 365

= 230 दिन

720 मुर्गियों के चूजे के पालन करने पर मुर्गे को मॉस के लिए तथा मुर्गियों से अंडे बेचने से लाभ की गणना पर सम विच्छेदन बिन्दू 230 दिन में प्राप्त किया जाएगा।

17. ऋण वापसी का किश्तवार नियोजन

क्र0 स0	माह	ऋण वापसी						संचय ऋण वापसी	अवशेष ऋण		
		मुलधन	कुल ब्याज	परियोजना द्वारा 5 % ब्याज देय	समूह द्वारा शेष ब्याज 2% देय	समूह द्वारा प्रति माह देय किश्त	कुल		मुलधन	ब्याज	कुल
1	महीना –1								91000	531	91531
2	महीना –2	0	0	0	0	0	0	0	91531	534	92065
3	महीना –3	0	0	0	0	0	0	0	92065	537	92602
4	महीना –4	0	0	0	0	0	0	0	92602	540	93142
5	महीना –5	0	0	0	0	0	0	0	93142	543	93685
								कुल ब्याज		**2685**	
6	महीना –6	13315	2685	1918	767	16000	16000	16000	79827	466	80293
7	महीना –7	15534	466	333	133	16000	16000	32000	64293	375	64668
8	महीना –8	15625	375	268	107	16000	16000	48000	48668	284	48952
9	महीना –9	15716	284	203	81	16000	16000	64000	32952	192	33144
10	महीना –10	15808	192	137	55	16000	16000	80000	17144	100	17244
11	महीना –11	15900	100	71	29	16000	16000	96000	1244	7	1251
12	महीना –12	1244	7	5	2	1251	16000	112000	0	0	0
	कुल	**93142**	**4109**	**2935**	**1174**	**97251**	**112000**	**448000**	**0**	**0**	**0**

नोट: 11 माह में परियोजना द्वारा निर्धारित ब्याज की राशी बैंक में जमा करने पर 11 माह की किश्त कम होगी जिसको देते समय ध्यान रखा जाए |

टिप्पणी

समूह द्वारा 720 मुर्गे पलने पर मुर्गे व अंडे का विक्रय करने पर प्रत्येक सदस्यों को मजदूरी के रूप में 375300 रुपए तथा शुध लाभ 241317 रुपए की आय प्रतिदिन 2 घंटे कार्य करने पर होगी | इसके अतिरिक्त अंडे देना योग्य 33 मुर्गियों प्रत्येक सदस्य के पास पूंजी के रूप में अतिरिक्त होगी जिसकी अनुमानित किमत 1000 x 33 = 33000 अतिरिक्त होगी | इस प्रकार वर्षभर में 51385 रुपए समूह के प्रत्येक व्यक्ति की अतिरिक्त आय अनुमानित की गयी है |

समान रुची समूह के नियमों की सूचि

1. समूह का काम : **मुर्गी पालन** (Backyard Poultry Farming)
2. समूह का पता : **गाँव दुर्गा नगर डाकघर कुल्लू, तहसील और जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश !**
3. समूह के कुल सदस्य : 12
4. समूह की पहली बैठक की तिथि ;.
5. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा
6. समूह की मासिक बैठक हर माह की 05. तारिक को होगी
7. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
8. स्वय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
9. स्वय सहायता समूह का खाता **पंजाब नेशनल बैंक** शाखा **सुल्तानपुर कुल्लू** में खोला **गया है जिसका** खाता संख्या नंबर 4448000100049057 है
10. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
11. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा
12. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
13. स्वय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें
14. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा
15. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
16. अगर सदस्य किसी कारणवश समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ समता है अन्यथा नही
17. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
18. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए
19. स्वय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
20. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी
21. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए
22. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी
23. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगी !

सामान रुची समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ

श्री आलम चंद
(प्रधान)

श्री मेहर चंद
(सचिव)

श्री चमन लाल
(कोषाध्यक्ष)

श्री ग्रीधर
(सदस्य)

श्री मधु सुदन
(सदस्य)

श्रीमती चूड़ामणि
(सदस्य)

श्री चेत राम
(सदस्य)

श्रीमती चंद्रकला
(सदस्य)

श्रीमती किरणा देवी
(सदस्य)

श्री राज कुमार
(सदस्य)

श्री हीम चंद
(सदस्य)

श्री आलम चंद
(सदस्य)

सहमति पत्र

आज दिनांक 12/06/2021 को **"शिव नरेश" समान रूची समूह** की बैठक प्रधान श्रीमति थर्मा देवी की अध्यक्षता में हुई जिसमें समूह के सदस्यों ने सर्वसहमति से निर्णय लिया कि आय बढ़ाने के लिए मुर्गीपालन का कार्य करने के लिए हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जाईका परियोजना) से जुड़ने की सहमति प्रदान करते है।

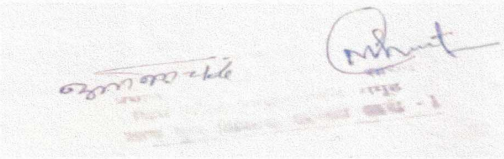

अनुमोदन

दिनांक . 02-11-2021 को मण्डलीय प्रबन्धन ईकाई एवं वन मण्डलाधिकारी कुल्लू द्वारा **"शिव नरेश" समान रूची समूह, सारी-1** की मुर्गीपालन व्यवसाय योजना का अनुमोदन किया गया।

DMU- cum DFO Kullu,
Kullu Forest Division Kullu